FREEMIND

Date

Page

What is Experiment

प्रत्येक विज्ञान अपने तथ्यों के अध्ययन के लिए प्रयोग जैसे वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग कर रहा है, जिसके द्वारा प्राप्त निष्कर्ष सही तथ्य विश्वसनीय माना जाता है। मनोविज्ञान भी एक समर्थक विज्ञान है, जो प्राणी की क्रियाओं का अध्ययन क्रमबद्ध रूप से प्रयोगों के आधार पर करता है। प्रयोगों द्वारा प्राप्त आँकड़ों तथ्यों के आधार पर जीव के व्यवहारों के बारे में मनोवैज्ञानिक एक खास निष्कर्ष निकालते हैं।

अब यहाँ प्रश्न यह उठता है कि प्रयोग क्या है? प्रयोग का क्या उद्देश्य होता है? एक उत्तम प्रयोग के क्या-क्या अपेक्षित गुण होते हैं? इत्यादि। किसी नियंत्रित अवस्था में व्यवहारों का क्रमबद्ध अध्ययन ही प्रयोग कहलाता है। इस परिभाषा से स्पष्ट है कि प्रयोग किसी नियंत्रित अवस्था में किया जाता है। नियंत्रित अवस्था या परिस्थिति से मतलब यह नहीं है कि दरवाजा और खिड़की बंद करके प्रयोग करना। नियंत्रित परिस्थिति से मतलब ऐसी परिस्थिति में प्रयोग करने होता है जहाँ वे सभी कारक, जिनकी जरूरत नहीं है, नियंत्रित कर लिए जाते हैं या उनका प्रभाव दूर कर दिया जाता है तथा सिर्फ उन्हीं कारकों को जागरूक

Scanned with CamScanner

FREEMIND
Date
Page

रखा जाता है जिनका अध्ययन किया जाने वाला है। साधारणतः, इन दोनों तरह के कारकों को मनोविज्ञान में चर की संज्ञा देते हैं। चर की चर्चा अगले अनुच्छेद में विस्तृत रूप से की जाएगी। मनोवैज्ञानिक प्रयोग में पाई जानेवाली नियंत्रित परिस्थिति प्रयोगशाला तथा क्षेत्र दोनों में हो सकती है। प्रयोगशाला के नियंत्रित अवस्था में होनेवाले प्रयोग को प्रयोगशाला प्रयोग तथा क्षेत्र के नियंत्रित अवस्था में होने वाले प्रयोग को क्षेत्र-प्रयोग कहा जाता है।

मनोविज्ञान में हम जो प्रयोग करते हैं वो किसी व्यक्ति पर करते हैं। जिस व्यक्ति पर प्रयोग किया जाता है, उसे प्रयोज्य कहा जाता है तथा जो व्यक्ति प्रयोग करता है, उसे प्रयोगकर्ता कहा जाता है। इसे एक उदाहरण द्वारा समझा जा सकता है। ~~मान लीजिए~~ मान लीजिए कि कोई प्रयोगकर्ता बच्चों द्वारा सीखने की प्रक्रिया पर पुरस्कार के प्रभाव को प्रयोग द्वारा जानना चाहता है। ऐसा प्रयोग करने के लिए वह बच्चों के दो समूहों को ले सकता है। यहाँ यह आवश्यक है कि ये सभी बच्चे समान उम्र तथा बुद्धि के हो तथा इनका चयन randomly किया गया हो।

Be

और सीखने का जो task है वह भी इन दोनो समूहों के लिए समान हो। सीखने के लिए दिया गया समय या प्रयास भी दोनों समूहों में समान होना चाहिए। साथ में यह भी आवश्यक है कि जिस वातावरण में दोनों समूहों के बच्चे सीख रहे हों, उसमें किसी प्रकार की बाधक आवाज या और कोई विघ्न न हो। अगर दोनों समूहों में बच्चों की संख्या तथा सेक्स समान है, तो यह और भी उत्तम होगा। उपर्युक्त सभी बातों के रहने पर परिस्थिति हर तरह से नियंत्रित हो जाती है। इसके बाद प्रयोगकर्ता एक समूह को पाठ याद करने के लिए देगा। इस समूह में प्रयोगकर्ता सीखने के लिए दिए जानेवाले किसी पुरस्कार के बारे में नहीं बताएगा। इसके बाद दूसरे समूह को पाठ सीखना शुरु करने के पहले यह निर्देश देगा कि दिया हुआ पाठ जल्द सीखने पर एक पुरस्कार दिया जाएगा। अब प्रयोगकर्ता पहले समूह तथा दूसरे समूह के कार्य संपादन का एक तुलनात्मक अध्ययन करेगा। आशा यह की जाती है कि दूसरे समूह के बच्चे पहले समूह के बच्चों की तुलना में पाठ कम समय में और कम प्रयास द्वारा ही सीख लेंगे। अगर सचमुच ऐसा होता है, तो प्रयोगकर्ता यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि पुरस्कार से सीखने की प्रक्रिया तेजी से होती है।

Scanned with CamScanner

यहाँ पहले समूह को नियंत्रित समूह कहा जाएगा तथा दूसरे समूह को प्रयोगात्मक समूह कहा जाएगा। 'पुरस्कार' एक स्वतंत्र चर का उदाहरण है तथा 'सीखना' एक आश्रित चर का उदाहरण है। नियंत्रित समूह, प्रयोगात्मक समूह स्वतंत्र चर तथा आश्रित चर की व्याख्या किए विस्तृत रूप से ~~अगले~~ किया जायेगा।

Dr. Om Prakash Kashi
Deptt. of Psychology
Maharaja College
ARA.

Scanned with CamScanner